उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय

आचार्य नरेन्द्रदेव कृषि एंव प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज–अयोध्या

"विश्व क्षय रोग दिवस" के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की आख्या

आचार्य नरेन्द्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज–अयोध्या द्वारा" विश्व क्षय रोग दिवस" दिनॉक 24 मार्च, 2023 को ग्राम प्रगाश का पुरवा (डीली गिरधर) विकासखण्ड–मिल्कीपुर, जनपद–अयोध्या में**निक्षय दिवस** के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर पंचायत भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के डा0 संजय पाठक, अधिष्ठाता, उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर क्षय रोग के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह रोग एक संक्रामक बीमारी है जोकि माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक जीवाणु से फैलती है। यह बीमारी पशु से मनुष्य और मनुष्य से पशु में तथा रोगियों द्वारा हवा में संक्रमण से फैलती है। विश्व में इस बीमारी से ग्रसित सबसे अधिक रोगी हमारे देश में हैं। बीमारी से सम्बन्धित विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दिये गये आंकड़े भी प्रस्तुत किये गये। क्षय रोग के कारणों, लक्षणों व संक्रमण के तरीकों की विस्तार से चर्चा की गयी। क्षय रोग के उन्मूलन हेतु सरकार द्वारा दी गयी सुविधाओं जैसे–निःशुल्क दवा वितरण, पौश्टिक भोजन वितरण, निःशुल्क चिकित्सीय सुविधाओं के विषय में बताया गया। इस बीमारी से बचाव हेतु पौष्टिक भोजन, व्यक्तिगत एवं वातावरण की स्वच्छता रखने पर बल दिया गया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में अधिष्ठाता उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये गांव में 02 क्षय रोग से ग्रसित रोगियों को पोषण पोटली का वितरण किया गया। इस पोषण पोटली में चना, खजूर, गुड़, सत्तू, प्रोटीन पाउडर तथा मूँगफली का दाना वितरित किया गया।इस उद्देश्य से इनको उच्च प्रजाति के सब्जियों के बीज, हल्दी बीज, फलदार पौधे जैसे–बेल, अमरूद, करौंदा, पपीता, ड्रैगनफ्रूट इत्यादि के कुल 400 पौधों का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय ने बताया कि 2030 तक देश को क्षय रोग से मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है, किन्तु हमारे प्रधानमन्त्री जी ने आवाह्न किया है कि हमें 2025 तक ही अपने देश को पूर्ण रूप से क्षय मुक्त राष्ट्र बनाना है। अधिष्ठाता उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय ने बताया कि क्षय रोग जानलेवा नहीं है यदि सही समय पर सही इलाज किया जाय तो यह रोग ठीक हो जाता है।रोगी को समय पर प्रतिदिन दवा खानी चाहिए, प्रोटीन युक्त पौष्टिक आहार लेना चाहिए एवं साफ–सफाई का विशेष ध्यान देना चाहिए। यह हर्ष का विषय है। अधिष्ठाता उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय ने कहा कि इसी प्रकार अन्य संस्थाओं एवं व्यक्तियों द्वारा भी क्षय रोगियों को अंगीकृत करना चाहिए क्योंकि क्षय रोग का इलाज बहुत मॅहगा होता है।साथ ही इसके रोगी को पौष्टिक भोजन की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में आर्थिक मदद करने से क्षय रोगी अपना पूरा ईलाज करवा पायेंगें देश को क्षय मुक्त राष्ट्र बनाने का लक्ष्य प्राप्त करने में सहयोग मिलेगा।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समस्त वैज्ञानिकों/शिक्षकों द्वारा क्षय रोग के प्रभावी नियंत्रण के लिए आवश्यक जानकारी दी गयी। उक्त दिवस माननीया कुलाधिपति महोदया के आवाहन एवं माननीय कुलपति महोदय के निर्देशन में किया गया।

निक्षय दिवस

निक्षय दिवस

निक्षय दिवस
आयोजक

निक्षय दिवस
दिनांक 24 मार्च 2023 दिन-शुक्रवार
स्थान-प्रगाश का पुरवा,मिल्कीपुर
आयोजक
उद्यान एवं वानिकी महाविद्याल